एक नज़र में

ऑस्ट्रेलिया ने वेदराल्ड को छोड़ा, रेनशॉ बुलाए गए

मैके. ऑस्ट्रेलिया ने अपने शीर्ष क्रम में बदलाव करने में बहुत कम समय बर्बाद किया है, डार्विन में बांग्लादेश से नौ विकेट की निराशाजनक हार के बाद जेक वेदराल्ड को बाहर कर दिया गया है. मैथ्यू रेनशॉ को टीम में बुलाया गया है और 30 वर्षीय खिलाड़ी मैके में शीर्ष क्रम में ट्रैविस हेड के साथ साझेदारी कर सकते हैं. अप्रैल में राष्ट्रीय अनुबंध मिलने के बाद वेदराल्ड के पहले टेस्ट में 23 और 0 का स्कोर बना. दूसरी पारी में आगे बढ़ने से पहले वह पहली पारी में पिछड़ गए. उन दोहरी विफलताओं ने 12 पारियों के बाद उनके करियर औसत को 20.36 पर ला दिया.

जुझार सिंह ने चीन में स्वर्ण जीता

चंडीगढ़. चंडीगढ़ पुलिस के निरीक्षक एवं एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स के थाना प्रभारी हरमिंदरजीत सिंह के बेटे जुझार सिंह ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार उपलब्धि हासिल की है. चीन में आयोजित एशिया-ओशिनिया रिंक हॉकी क्लब चैंपियनशिप-2026 में जुझार ने स्वर्ण पदक जीतकर चंडीगढ़ और अपने परिवार का नाम रोशन किया. जुझार ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न स्थित मॉर्डियलॉक रोलर हॉकी क्लब की ओर से प्रतियोगिता में खेले. चैंपियनशिप के दौरान जुझार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम के लिए 11 गोल दागे. उनके बेहतरीन खेल की बदौलत मॉर्डियलॉक रोलर हॉकी क्लब ने प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया. कई अहम मुकाबलों में जुझार ने गोल कर टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया. जुझार इससे पहले भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं. ऑस्ट्रेलिया की ओर से खेलते हुए वह दो स्वर्ण पदक जीत चुके हैं.

कंधे की चोट के बाद चांदीमल पहुँचे अस्पताल

गॉल. श्रीलंका और भारत के बीच जारी गॉल टेस्ट के चौथे दिन चौका बचाने के क्रम में कंधे और गर्दन पर चोट लगने के चलते दिनेश चांदीमल को एहतियाती स्कैन के लिए अस्पताल ले जाया गया है. भारत की दूसरी पारी के चौथे ओवर में केएल राहुल द्वारा लगाए स्वीप को चौका जाने से बचाने के लिए डीप मिडविकेट पर खड़े चांदीमल ने डीप स्क्वायर लेग की ओर दौड़ लगाई थी और गेंद को रोकने के प्रयास में उन्होंने दायीं ओर खुद को झोंक दिया. हालांकि उन्होंने दो रन बचा लिए लेकिन इस प्रयास में उनका शरीर ज़ोर से ज़मीन से टकरा गया और उनके कंधे और गर्दन पर काफ़ी दबाव पड़ गया.

सचिन ने काहिरा में सिल्वर-ब्रॉन्ज़ जीते

नयी दिल्ली. भारतीय पैरा एथलीट सचिन चमारिया ने काहिरा 2026 वर्ल्ड बोकिया चैलेंजर में बीसी 3 पेयर्स इवेंट में सिल्वर और बीसी3 इंडिविजुअल इवेंट में ब्रॉन्ज़ मेडल जीता है. मज़बूत अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के बीच खेलते हुए, सचिन ने पेयर्स इवेंट में सरिता द्विवेदी के साथ जोड़ी बनाई. यह टूर्नामेंट आधिकारिक वर्ल्ड बोकिया रैंकिंग सर्किट का हिस्सा है और इसमें एथलीट वर्ल्ड रैंकिंग पॉइंट्स के लिए मुकाबला करते हैं. ये नतीजे अंतरराष्ट्रीय बोकिया में सचिन के बढ़ते रिकॉर्ड में और इजाफ़ा करते हैं. वह अभी बीसी3 कैटेगरी में वर्ल्ड नंबर 20 पर हैं और छह बार नेशनल बोकिया चैंपियन रह चुके हैं. 2021 में अपने कॉम्पिटिटिव डेब्यू के बाद से, उन्होंने कई बड़े अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है.

श्रीलंका पर शिकंजा, भारत जीत से 6 केवल विकेट दूर

भारत ने 372 रन का लक्ष्य दिया, पंत की तेजतर्रार पारी के बाद सुथार ने बरपाया कहर

गॉल, 18 अगस्त. भारत ने पहले टेस्ट के चौथे दिन श्रीलंका के खिलाफ अपनी पकड़ और मजबूत कर ली. पहली पारी में 178 रन की बढ़त हासिल करने के बाद भारतीय टीम दूसरी पारी में 193 रन पर सिमट गई, लेकिन श्रीलंका के सामने 372 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखने में सफल रही.

लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेजबान टीम ने दिन का खेल समाप्त होने तक 34 ओवर में चार विकेट पर 84 रन बनाए हैं. श्रीलंका को अब जीत के लिए 288 रन की जरूरत है, जबकि भारत सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाने से छह विकेट दूर है.

पंत ने खेली तेजतर्रार पारी

भारत की दूसरी पारी में ऋषभ पंत ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 69 गेंदों पर 66 रन बनाए. उनकी पारी में आठ चौके और दो छक्के शामिल रहे. पंत ने मुश्किल परिस्थितियों में तेजी से रन बनाकर भारत की बढ़त को और मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई. उनके अलावा देवदत्त पडिक्कल ने 75 गेंदों पर 44 और केएल राहुल ने 47 गेंदों पर 35 रन बनाए. दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 65 रन जोड़कर पारी को संभाला. भारत की शुरुआत हालांकि खराब रही. यशस्वी जायसवाल तीन गेंदों का सामना कर खाता खोले बिना आउट हो गए. इसके बाद राहुल और पडिक्कल ने पारी को संभाला.

भारत की दूसरी पारी

यशस्वी जायसवाल	0	केएल राहुल	35
देवदत्त पडिक्कल	44	शुभमन गिल	8
ऋषभ पंत	66	ध्रुव जुरेल	7
रवींद्र जडेजा	9	मनव सुथार	9
कुलदीप यादव	5	मोहम्मद सिराज	2
प्रसिद्ध कृष्णा	2	अतिरिक्त	7

श्रीलंका – दूसरी पारी

निशान मदुश्का	6	लाहिरू उदारा	16
पसिंदु सोरियाबंदर	0	कामिंदु मेंडिस	2
धनंजया डी सिल्वा	31	सोनल दिनुषा	25
अतिरिक्त	4		

17 खिलाड़ियों ने जीता अर्जुन अवॉर्ड

2014 के बाद पहली बार किसी खिलाड़ी को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न नहीं

नई दिल्ली, 18 अगस्त. खेल मंत्रालय ने मंगलवार को राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 का ऐलान कर दिया. इस बार पुरस्कारों में सबसे बड़ा बदलाव मेजर ध्यानचंद खेल रत्न को लेकर रहा. पिछले 12 वर्षों में पहली बार ऐसा हुआ है जब किसी खिलाड़ी को देश का सर्वोच्च खेल सम्मान खेल रत्न नहीं दिया गया. इससे पहले 2014 में भी किसी खिलाड़ी को इस पुरस्कार के लिए नहीं चुना गया था.

वहीं, इस साल 17 खिलाड़ियों को अर्जुन अवॉर्ड के लिए चुना गया है. सूची में शतरंज, एथलेटिक्स और बैडमिंटन समेत विभिन्न खेलों के प्रमुख खिलाड़ी शामिल हैं. खेल रत्न के लिए किसी नाम की घोषणा नहीं होने के बीच अर्जुन पुरस्कार की सूची में कई चर्चित नाम शामिल हैं. शतरंज की युवा स्टार दिव्या देशमुख और अनुभवी ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती को इस सम्मान के लिए चुना गया है. एथलेटिक्स में तेजस्विन शंकर और बैडमिंटन में गायत्री गोपीचंद तथा त्रिशा जॉली को अर्जुन अवॉर्ड मिलेगा. इन खिलाड़ियों ने पिछले कुछ वर्षों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय खेलों को मजबूत पहचान दिलाई है तेजस्विन की मेहनत को मिला सम्मान तेजस्विन शंकर की कहानी संघर्ष और दृढ़ता की मिसाल रही है. शुरुआत में उनके पिता चाहते थे कि वह पढ़ाई पर ध्यान दें और खेलना है तो क्रिकेट खेलें. हालांकि, स्कूल के कोच ने उनकी एथलेटिक प्रतिभा को पहचाना और तेजस्विन ने धीरे-धीरे हाई जंप को अपना करियर बना लिया. महज 17 साल की उम्र में उन्होंने 2.26 मीटर की छलांग लगाकर सीनियर राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा. एथलेटिक्स जारी रखने के लिए 15 साल की उम्र में तेजस्विन ने अपने पिता को भावुक चिट्ठी लिखी थी. पिता ने उन्हें खेल जारी रखने की अनुमति दे दी, लेकिन कुछ समय बाद उनका निधन हो गया. इसके बाद भी तेजस्विन ने अपनी मेहनत जारी रखी. उनके करियर का महत्वपूर्ण पड़ाव 2022 में आया, जब उन्होंने 2.27 मीटर का कॉमनवेल्थ गेम्स क्वालिफाइंग मार्क हासिल किया. वह ऐसा करने वाले इकलौते भारतीय थे, लेकिन इसके बावजूद बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए उनका चयन नहीं हुआ. तेजस्विन ने इस फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी. अदालत के आदेश के बाद उन्हें भारतीय टीम में शामिल किया गया और उन्होंने बर्मिंघम में 2.22 मीटर की छलांग लगाकर कांस्य पदक जीता.

यह 17 खिलाड़ियों के नाम...

1. तेजस्विन शंकर – एथलेटिक्स
2. मुहम्मद अजमल वी – एथलेटिक्स
3. प्रियंका गोस्वामी – एथलेटिक्स
4. टीसा जॉली – बैडमिंटन
5. पुलेला गायत्री गोपीचंद – बैडमिंटन
6. नरेन्द्र – बॉक्सिंग
7. विदित संतोष गुजराती – शतरंज
8. दिव्या जितेंद्र देशमुख – शतरंज
9. धनुष श्रीकांत – डेफ शूटिंग
10. लालरेमसियामी – हॉकी
11. राजकुमार पाल – हॉकी
12. सुरजीत – कबड्डी
13. पूजा – कबड्डी
14. रुद्रांक्ष खंडेलवाल – पैरा-शूटिंग
15. एकता भयान – पैरा एथलेटिक्स
16. अरविंद सिंह – रोइंग
17. अखिल श्योराण – शूटिंग

दबाव के बारे में भूल जाओ : अजीत पाल

नयी दिल्ली, 18 अगस्त. भारत को पुरुषों का एकमात्र हॉकी वर्ल्ड कप खिताब दिलाने के आधे सदी से भी ज़्यादा समय के बाद, अजीत पाल सिंह के पास मौजूदा टीम के लिए एक आसान सलाह है, दबाव के बारे में भूल जाओ.

79 वर्षीय अजीत पाल सिंह, जिन्होंने 1975 में कुआलालंपुर में भारत को एकमात्र वर्ल्ड कप खिताब दिलाया था, का मानना है कि हरमनप्रीत सिंह और उनकी टीम को देश का प्रतिनिधित्व करने की ज़िम्मेदारी को अपनाना चाहिए, बिना इस बात की चिंता किए कि उम्मीदें उनके खेल पर हावी हो जाएं. अजीत पाल सिंह ने कहा, 'उन्हें दबाव के बारे में भूल जाना चाहिए. उस स्तर पर, वे जानते हैं कि वे देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और हॉकी प्रेमी उनसे अच्छे नतीजों की उम्मीद कर रहे हैं. लेकिन उन्हें उस दबाव को अपने दिमाग पर हावी नहीं होने देना चाहिए. उन्हें असल खेल पर ध्यान देना चाहिए, मैच पर फोकस करना चाहिए और टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करनी चाहिए.' हालांकि, अजीत पाल सिंह के लिए दबाव से निपटना सिर्फ़ एक हिस्सा है.

उनका मानना है कि एक सफल हॉकी टीम की नींव सामूहिक ज़िम्मेदारी होती है. 'सबसे ज़रूरी बात यह है कि उन्हें एक टीम के तौर पर खेलना चाहिए. व्यक्तिगत खेल टीम के लिए खतरनाक हो सकता है क्योंकि यह पूरी कोशिश को खराब

> अपने खेलने के दिनों में सेंटर-हाफ रहे अजीत पाल सिंह ने 1971 में पहले वर्ल्ड कप में भारत की कप्तानी की थी और चार साल बाद फिर से कप्तान बनकर टीम को खिताब दिलाया था. लेकिन वह अपनी टीम और आज की टीम के बीच तुलना करने से बचते हैं. उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हमें दोनों की तुलना करनी चाहिए. वे दो बहुत अलग टीमें हैं. उस समय, टीम वाकई संतुलित थी और खिलाड़ियों के बीच तालमेल और समझ बहुत अच्छी थी.

एला तीन सेट में अनिसिमोवा से हारीं

सिनसिनाटी, 18 अगस्त. फिलीपींस की टेनिस स्टार एलेक्स एला ने एक सेट की बढ़त गंवा दी और सोमवार को 2026 सिनसिनाटी ओपन से बाहर हो गईं; उन्हें अमेरिकी नौवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा ने तीन सेट में हराया.

एला तीसरे दौर के मुकाबले में दुनिया की नंबर 10 खिलाड़ी से 6-4, 4-6, 2-6 से हार गईं. इस हार के साथ ही टॉप-10 रैंकिंग वाले खिलाड़ियों के खिलाफ उनकी लगातार पांच जीत का सिलसिला भी टूट गया. मैच के बाद अनिसिमोवा ने कहा, 'मुझे पता है कि एलेक्स एक बेहतरीन खिलाड़ी और फाइटर हैं. मुझे पता था कि यह मुकाबला बहुत कड़ा होने वाला है. आज रात मुझे काफी समर्थन मिला, जिसके लिए मैं बहुत आभारी हूं, क्योंकि मैं जानती हूं कि एलेक्स को कितना पसंद किया जाता है - और सही वजह से. लेकिन मुझे यह समर्थन बहुत अच्छा लगा क्योंकि मुझे इस मैच में जोश की ज़रूरत थी, क्योंकि यह मेरे सोने का समय हो चुका था.

> **एलेना-गैब्रिएला रूस पैर की चोट के कारण मैच से हट गई थीं**
>
> 'एला की सिनसिनाटी ओपन में शुरुआत मिली-जुली रही थी; राउंड ऑफ़ 64 (दूसरे दौर) के मुकाबले में उनकी रोमानियाई प्रतिद्वंद्वी एलेना-गैब्रिएला रूस पैर की चोट के कारण मैच से हट गई थीं, जब वह 6-1, 3-0 से पीछे चल रही थीं. सिनसिनाटी में अपना सफर खत्म होने के बाद, 21 वर्षीय खिलाड़ी अब यूएस ओपन पर ध्यान केंद्रित करेंगी. अनिसिमोवा का अगला मुकाबला क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए चेकिया की लिंडा नोस्कोवा से होगा, जो दुनिया की नंबर 6 वरीयता प्राप्त खिलाड़ी और विंबलडन चैंपियन हैं.

जोडार चौथे दौर में, अल्काराज़-शेल्टन की बराबरी

सिनसिनाटी. सिनसिनाटी ओपन में अपनी शुरुआत खराब होने के बाद, राफेल जोडार ने सोमवार दोपहर को अपना बेहतरीन खेल फिर से दिखाया. 19 वर्षीय स्पैनियार्ड ने एलेजांद्रो टैबिलो को 6-2, 6-1 से हराकर और एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट के चौथे दौर में पहुँचाने के दौरान कई शानदार विनर्स लगाए, जिससे उनका 2026 का शानदार सीज़न जारी रहा. 75 मिनट की इस जीत के साथ, जोडार इस दशक में सिनसिनाटी में राउंड ऑफ़ 16 में पहुंचने वाले कार्लोस अल्काराज़ और बेन शेल्टन के साथ शामिल हो गए.

पाक से मैच अब मुश्किल नहीं रहे : श्रीजेश

नयी दिल्ली, 18 अगस्त. पिछले मैच में इंग्लैंड से हारने के बाद, हॉकी पुरुष विश्व कप 2026 में आगे बढ़ने की भारत की उम्मीदों के लिए कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ़ मैच एक अहम परीक्षा है.

जियोस्टार से बात करते हुए, भारत के पूर्व कप्तान और गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने भारत-पाकिस्तान की प्रतिद्वंद्विता, भारत के डिफेंसिव अप्रोच और दबाव वाली स्थितियों में शांत रहने की अहमियत पर अपनी राय रखी. पूर्व कप्तान पीआर श्रीजेश ने कहा, 'भारतीय पुरुष हॉकी टीम पिछले डेढ़ साल से एक नए फॉर्मेशन के साथ खेल रही है. वह फॉर्मेशन ज़्यादातर हमें डिफेंस करने पर मजबूर करता है, लेकिन हाल ही में प्रो लीग में, हमने कई मैचों में आगे बढ़कर ज़ोरदार दबाव बनाया. एक ज़रूरी बात यह है कि यूरोपीय टीमों के खिलाफ़ खेलते समय हमें डिफेंस में एकजुट रहना होगा. इसके अलावा, हमें विश्व कप में अपना स्वाभाविक खेल खेलना चाहिए. डिफेंस में, हमने ज़ोनल मार्किंग का इस्तेमाल किया, इसलिए हमें उस क्षेत्र में अपनी समझ को बेहतर बनाने की ज़रूरत है. हमें बहुत पीछे नहीं हटना चाहिए. हमें आगे बढ़कर, हाई प्रेसिंग करनी चाहिए और सेंटर लाइन के आगे भी डिफेंस करना चाहिए.

एफआईएच हॉकी विश्व कप ▶ भारत को सेमीफाइनल में जगह पक्की करने के लिए ड्रॉ भी काफी, पाक के लिए जीत जरूरी

सेमीफाइनल की जंग में भारत-पाकिस्तान आमने-सामने

एम्स्टलवीन, 18 अगस्त. दुनिया की हॉकी में भारत और पाकिस्तान के मुकाबले जैसा रोमांच, इतिहास और भावनात्मक जुड़ाव शायद ही किसी अन्य मैच में देखने को मिलता है.

बुधवार को एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में दोनों चिर प्रतिद्वंद्वी जब वैगनर हॉकी स्टेडियम में आमने-सामने होंगे, तो इस बार मुकाबले का रोमांच और बढ़ जाएगा. पूल डी के इस मुकाबले में सिर्फ प्रतिष्ठा ही नहीं, बल्कि दोनों टीमों की सेमीफाइनल की उम्मीदें भी दांव पर लगी हैं. भारत के लिए जहां एक अंक भी अंतिम चार की राह साफ कर सकता है, वहीं पाकिस्तान को अपनी उम्मीदें जिंदा रखने के लिए हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी.

भारत ने टूर्नामेंट की शुरुआत वेल्स के खिलाफ 3-1 की जीत से की थी, लेकिन दूसरे मुकाबले में इंग्लैंड के हाथों 2-4 से हार का सामना करना पड़ा. टीम तीन अंकों के साथ पूल डी में दूसरे स्थान पर है. दूसरी ओर पाकिस्तान ने वेल्स के खिलाफ मुकाबला ड्रॉ खेलकर एक अंक हासिल किया, जबकि इंग्लैंड ने उसे 1-4 से शिकस्त दी. इंग्लैंड दोनों मुकाबले जीतकर शीर्ष दो में अपनी जगह लगभग पक्की कर चुका है. ऐसे में दूसरी सेमीफाइनल सीट के लिए भारत, पाकिस्तान और वेल्स के बीच मुकाबला दिलचस्प हो गया है.

> पाकिस्तान के लिए करो या मरो का मुकाबला पाकिस्तान के पास फिलहाल सिर्फ एक अंक है और उसके लिए समीकरण बेहद साफ है. जीत के अलावा कोई भी परिणाम उसकी सेमीफाइनल की उम्मीदों को लगभग समाप्त कर देगा. यही दबाव टीम को अधिक आक्रामक बना सकता है. भारत को पाकिस्तान के जोश और भावनाओं के बीच अपने खेल में अनुशासन बनाए रखना होगा. विश्व कप जैसे बड़े मंच पर भारत-पाकिस्तान की भिड़ंत हमेशा खास होती है, लेकिन इस बार मुकाबले का महत्व और भी बड़ा है. एक तरफ भारत सेमीफाइनल में जगह मजबूत करने के इरादे से उतरेगा, तो दूसरी ओर पाकिस्तान अपने अभियान को बचाने और एक दशक से चले आ रहे इंतजार को खत्म करने की कोशिश करेगा. ऐसे में एम्स्टलवीन में होने वाला यह मुकाबला टूर्नामेंट के सबसे रोमांचक और निर्णायक मुकाबलों में शामिल होने की पूरी उम्मीद रखता है.

लखनऊ फाल्कन्स ने नोएडा किंग्स को 3 विकेट से हराया

लखनऊ, 18 अगस्त. मैन ऑफ द मैच अभिनंदन सिंह (चार विकेट) की घातक गेंदबाजी और आराध्य यादव (51) के अर्धशतक की बदौलत लखनऊ फाल्कन्स ने यूपी टी-20 लीग सीजन-4 में सोमवार देर रात तक खेले गये रोमांचक मुकाबले में नोएडा किंग्स को तीन विकेट से पराजित कर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की.

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में लखनऊ फाल्कन्स ने 137 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 19.2 ओवर में सात विकेट पर 140 रन बनाकर जीत हासिल की. इससे पहले टॉस जीतकर लखनऊ के कप्तान भुवनेश्वर कुमार ने गेंदबाजी का फैसला किया. नोएडा किंग्स की शुरुआत अच्छी रही और टीम ने पहले विकेट के लिये 34 रन जोड़े, लेकिन इसके बाद विकेटों का सिलसिला शुरू हो गया.